'समझदार जीवनसाथी और जिम्मेदार पिता' कार्यक्रम अर्न्तगत

# पी0आर0ए0 माध्यम से विभिन्न सामाजिक मुद्दो की समझ बढ़ाने हेतु एनीमेटर्स प्रशिक्षण रिपोर्ट

## दिनांक : 10–13 सितम्बर 2017

## स्थान : सप्तर्षि सेवा केन्द्र, रांची

---

'समझदार जीवनसाथी एवं जिम्मेदार पिता' कार्यक्रम अर्न्तगत विभिन्न समाजिक मुद्दो की पहचान, विश्लेषण, नियोजन, रिपोर्ट कार्ड बनाने व सामाजिक बदलाव का चार्टर बनाने को लेकर एनीमेटर व फैसलिटेटरर्स के साथ पी.आर.ए. पर चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 10–13 सितम्बर 2017 तक सप्तर्षि सेवा केन्द्र रांची में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 29 लोगों ने भाग लिया। संदर्भ व्यक्ति के रूप में सी.एच.एस.जे. से महेन्द्र कुमार व ग्राम सुधार समिति, सीधी (म0प्र0) से केदार प्रसाद ने भाग लिया।

### प्रशिक्षण का उद्देश्य –

1. सामुदायिक स्वास्थ्य और उसके घटकों पर समझ बढ़ाना।
2. सामुदायिक निगरानी के तहत सार्वजनिक नीतियों और कार्यक्रमों पर जानकारी व समझ बढ़ाना।
3. पी0आर0ए0 माध्यम से गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य स्थिति के आंकलन हेतु कौशल बढ़ाना।
4. सामाजिक जवाबदेही के मूल्यांकन की सामुदायिक भूमिका पर समझ बढ़ाना।

### प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली –

आयोजित प्रशिक्षण पूर्णतः सहभागिता के सिद्धान्त पर आधारित रहा, जिसके तहत सैद्धान्तिक व अभ्यास (इन हाउस व फील्ड) दोनों प्रकार के सत्रों का संचालन किया गया।

### पहला दिन

### सत्र : 1 स्वागत एवं परिचय –

पहले दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत प्रतिभागियों के स्वागत व आपसी परिचय के साथ किया गया। इसके लिए दो–दो लोगों के जोड़े बनाते हुए 15 मिनट का समय दिया गया जिसमें समूह में एक दूसरे साथियों का परिचय कराने के लिए निम्न आधारों को तय किया गया –

- क्या–क्या प्रक्रियाएं अपने गांव में चलाई गई हैं?
- क्या सफलताएं/असफलताएं/दिक्कते रही हैं?
- ऐसा कौन सा विषय है जिसमें आपको लगता है कि जानकारी बढ़ाने की जरूरत है?

### सत्र : 2 अपेक्षाएं व आधारभूत नियम –

प्रतिभागियों की इस कार्यक्रम से अपेक्षाएं जानने के लिए सभी प्रतिभागियों को एक–एक पर्ची दी गई जिसमें उन्हें अपनी–अपनी अपेक्षाओं को लिखने के लिए कहा गया। प्रतिभागियों से निकली अपेक्षाओं को निम्न प्रकार से संकलित किया गया–

1. पी0आर0ए0 क्या है?
2. पी0आर0ए0 करने का तरीका क्या है?
3. पी0आर0ए0 का उद्देश्य क्या है?
4. पी0आर0ए0 का पूरा नाम क्या है?
5. साझेदार परियोजना को कैसे सशक्त बनायें
6. स्वास्थ्य पी0आर0ए0 कैसे करें?
7. गर्भवती महिलाओं को लगने वाले टीके और बीमारियां

8. पी0आर0ए0 में प्राथमिकीकरण कैसे करते हैं?
9. पी0आर0ए0 में जेण्डर व बाल अधिकारों को कैसे देखेगें?

**नियम –**

1. सभी एनीमेटर्स तय किये जाने वाले समय के अनुसार आयेगें।
2. अपना मोबाईल बंद या शान्त रखेगें।
3. जो बात समझ में न आये उसे दुबारा पूछेगें।
4. सीखने में एक दूसरे की मदद करेगें।

## सत्र : 2 स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक –

गांव में स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों को जानने के लिए प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित कर आपसी चर्चा करते हुए प्रस्तुतीकरण करने के लिए कहा गया। दोनों समूहों की चर्चा और प्रस्तुतीकरण के बाद निम्न प्रमुख बिन्दु निकलकर आये –

- कुपोषित भोजन व समय पर भोजन न मिलना
- महिलाओं व लड़कियों के साथ हिंसा
- संकोच, मानसिक तनाव
- कम उम्र में शादी
- जल्दी मॉ बनना
- आस–पास सफाई न रखना
- अशिक्षा/शिक्षा की कमी
- अपनी बीमारी के बारे में घर में न बताना
- घर से बाहर न निकलने देना
- खुले में शौचालय के लिए जाना
- गर्भवती महिलाओं व बच्चों को समय पर टीका न लगना
- जांच न होना/टीकाकरण
- गरीबी/आर्थिक स्थिति कमजोर होना
- रीतिरिवाज

उपरोक्त निकले हुए बिन्दुओं को स्पष्ट करते हुए संदर्भ व्यक्ति ने बताया कि महिलाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले बहुत सारे पारिवारिक, सामाजिक व संस्थागत कारक हैं। इनके आलावा अनेक शैक्षणिक व धार्मिक वजहों से भी महिलाओं का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। अतः महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य हेतु हमें तीनों स्तर पर सामूहिक पहल करने की जरूरत है जिससे परिवार के अन्य लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा।

### सत्र : 3 सामुदायिक नीतियां एवं कार्यक्रम –

इस सत्र में विभिन्न स्वास्थ्य नीतियों एवं कार्यक्रमों पर प्रतिभागियों की जानकारी व समझ बढ़ाने के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र, सहिया, एनम, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस आदि से सम्बंधित विभिन्न सवालों को रखा गया।

इस प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों को दो अलग–अलग समूहों में बांटा गया। पहली टीम से पूछे जाने वाले सवाल को जवाब ग्रुप से चर्चा करके ग्रुप कोई भी व्यक्ति दे सकता था तथा यदि ग्रुप का उत्तर गलत पाया गया तो वही सवाल दूसरे ग्रुप में जायेगा और यदि सही उत्तर मिलता तो बोनस के तौर पर दूसरे समूह को 1 अंक दिया जाता। इसी प्रकार दूसरा सवाल दूसरे समूह से किया जाता और सही उत्तर मिलने पर उस ग्रुप को दो अंक तथा गलत जवाब मिलने पर वही सवाल पहले समूह के पास जाता। इस प्रकार यह प्रक्रिया दोनो समूहों के साथ 10 चक्रो में दोहराई गई। पूछे जाने वाले प्रत्येक सवालों के बाद उस पर संदर्भ व्यक्ति द्वारा स्पष्ट किया जाता।

बदलाव में एनीमेटर की भूमिका –

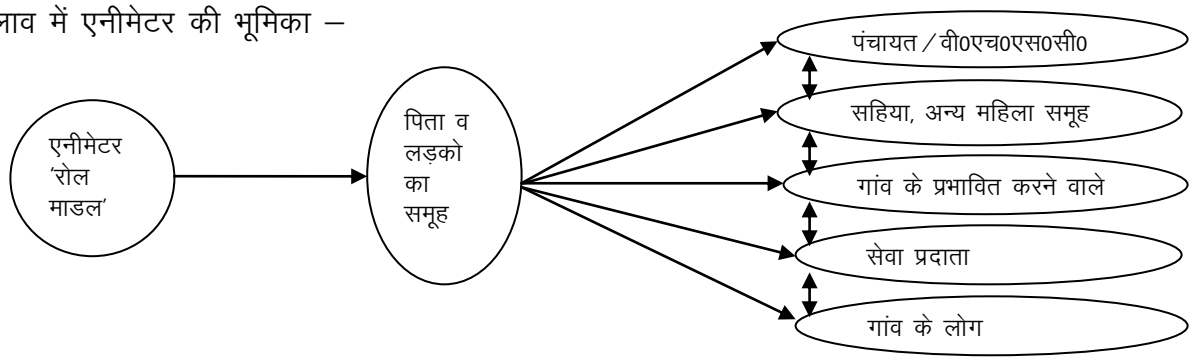


**उत्प्रेरण –**

उत्प्रेरण वह हस्तक्षेप है जो ज्ञान के सार में बदलाव लाकर या कुछ क्रिया करके समूह को उद्देश्य प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ा दे।

## दूसरा दिन

### सत्र : 1 पहले दिन का रिकैप –

दूसरे दिन सत्र की शुरूआत एक गीत के साथ की गई। इसके बाद संदर्भ व्यक्ति द्वारा प्रतिभागियों के साथ पहले दिन हुई चर्चाओ का पुनरावलोकन किया गया। इसके लिए सभी प्रतिभागियों को बारी–बारी से पहले दिन हुई चर्चाओं तथा उनसे बनी सीख को रखने के लिए कहा। अंत में प्रतिभागियों से छूटी हुई बातों को संदर्भ समूह द्वारा जोड़ा गया।

## सत्र : 2 सामाजिक एवं स्वास्थ्य समस्याओं के मुद्दे और पूछतांछ की तकनीक –

प्रतिभागियों के साथ चर्चा करते हुए चिन्हित विभिन्न सामाजिक बिन्दुओं के आधार पर पी0आर0ए0 के लिए मुख्य तौर पर निम्न मुद्दो का चिन्हीकरण किया गया –

- भोजन एवं पोषण – आंगनबाडी, राशन की दुकान, मिड डे मिल
- स्वच्छता – शौचालय – परिवार, स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन
- शादी – कम उम्र में शादी (लड़के व लड़कियों के शादी की उम्र)
- शिक्षा – कुल बच्चें व स्कूल न जाने वाले लड़के व लड़कियां
- बच्चों के जन्म में स्पेश/अन्तर – शादी के बाद पहले बच्चें के जन्म में स्पेश व दो बच्चों के बीच स्पेश
- मातृत्व स्वास्थ्य एवं शिशु स्वास्थ्य – जांच, पुरूषों की भूमिका, प्रसव में पुरूषों की भागीदारी
- बच्चों का टीकाकरण – टीकाकरण व टीकाकरण में पुरूषों की भागीदारी
- महिला हिंसा
- एकल महिला

**पी0आर0ए0 के चरण –**

- सूचना/जानकारी इकट्ठा करना
- सूचनाओं/जानकारी को साझा करना
- सूचनाओं पर समझ बनाना
- समस्याओं का प्राथमिकीकरण
- समाधान

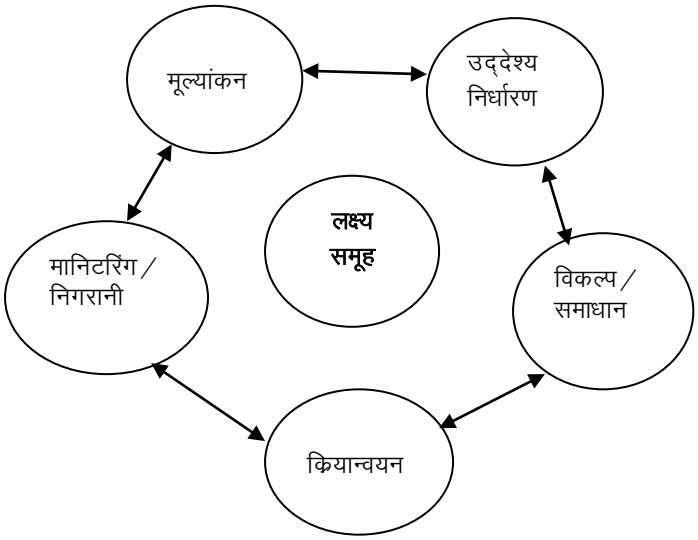


## सत्र : 3 पी0आर0ए0 तकनीक पर अभ्यास –

### सामाजिक मानचित्रण एवं फील्ड नियोजन –

बेड़ो ब्लाक के चयनित दो गांवों (हुटरी व लमकाना) में सामाजिक व संसाधन मानचित्रण के माध्यम से विभिन्न मुद्दो पर जानकारी एकत्र करने के पूर्व संदर्भ व्यक्ति द्वारा मानचित्रण तैयार करने की प्रक्रिया पर समझ बनाने व अभ्यास के लिए प्रतिभागियों को गोल घेरे में बैठने के लिए कहा गया। इसके बाद उन्होंने परियोजना के तहत लिए चयनित सभी गांवों अर्थात जिन–जिन गांवों से एनीमेटर आते हैं उन्हे चार्ट में प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। प्रतिभागियों ने चार्ट में मुख्य मार्ग दर्शाते हुए चयनित गांवों को दूरी के साथ दर्शाया। इसके अलावा इन गांवों के नजदीक स्वास्थ्य केन्द्रो, ब्लाक आदि को भी दर्शाने के लिए गया तथा दिशाओं का निर्धारण किया गया।

मानचित्र तैयार हो जाने के बाद संदर्भ व्यक्ति द्वारा स्पष्ट किया गया कि इसी प्रकार से हमें गांव में जाकर लोगों के साथ गांव का सामाजिक–संसाधन मानचित्र तैयार करवाना है जिसमें गांव में घर, जल स्रोत, पंचायत भवन, आंगनबाडी केन्द्र, सहिया का घर, अलग–अलग बस्ती, एकल महिलाओं वाले परिवार, ऐसे परिवार जहां एक साल तक के बच्चें हैं आदि का उल्लेख होना चाहिये।

**मानचित्र के लिए सूचक तय करना**– इसके बाद मानचित्र में दर्शाने के लिए निम्न के सूचक तय किये गये–

- घर – घर का निशान व क्रम संख्या ड़ालना है
- एकल महिला – महिला का निशान
- हैण्डपम्प – हैण्डपम्प का निशान
- कुंआ – गोला
- शौचालय – लोटा
- शादी वाले घर – स्वस्तिक
- लड़का – निशान के साथ संख्या लिखनी है
- लड़की – निशान के साथ संख्या लिखनी है
- सहिया का घर –
- वी0एच0एन0डी0 का स्थान –
- राशन की दुकान– या तराजू का निशान
- आंगनबाडी केन्द्र –
- पंचायत भवन –

**गांव स्तर पर जानकारी इकट्ठा करने के लिए निम्न सूची तैयार करने को कहा गया –**

- जाति के आधार पर कुल परिवार
- किन–किन परिवारों में एकल महिला हैं
- एक साल तक के बच्चें – लड़का व लड़की तथा उनकी उम्र

- 12–18 साल के स्कूल जाने वाले और न जाने वाले लड़को और लड़कियों
- पिछले तीन साल में किन–किन घरों में शादी हुई हैं

संदर्भ व्यक्ति द्वारा स्पष्ट किया गया कि हम जिन दो गांवों में जा रहे हैं वहां से उपरोक्त सूचनाएं निकालने के बाद उसकी रिपोर्ट बनायेगें और आगे निकालने वाली सूचना की तैयारी करेगें। पुनः स्पष्ट किया गया कि प्रत्येक समूह को अपनी–अपनी टीम में गांव जाकर सामाजिक–संसाधन मानचित्रण को चार्ट में बनाने व सम्बंधित जानकारी एकत्र करने के लिए सूची तैयार करना है। इसके बाद एनीमेटर्स को दो–दो के जोड़े के माध्यम से अलग–अलग समूहों में बांटा गया ताकि जानकारी को आसानी से इकट्ठा किया जा सके। यह भी तय किया गया कि दोनो फैसलिटेटर एक–एक समूह में रहेगें तथा जरूरत के आधार पर मदद करेगें।

### सत्र : 4 फील्ड विजिट कार्य की तैयारी

संदर्भ व्यक्ति द्वारा प्रतिभागियों के साथ चर्चा करते हुए फील्ड विजिट के दौरान किन–किन बातों की सांवधानिया रखना है इस पर चर्चा किया गया। गांव स्तर पर कोआर्डिनेशन की जिम्मेदारी सम्बंधित एनीमेटर को दी गई तथा दोनो टीमों में तीनों क्षेत्रो के एनीमेटर्स को जोड़कर टीम बनाई गई। इसके बाद दोनों टीम के लिए काम की जिम्मेदारी का बंटवारा निम्न आधार पर किया गया –

- 2 लोग मानचित्र बनवाने का काम
- 1 लोग मानचित्र बनाने के लिए सभी को प्रेरित करने का काम या प्रश्न पूछना
- 2 लोग मानचित्र को चार्ट में फेयर करके बनाना
- 2 लोग सूची बनाने का काम
- गांव में महिलाओं व बच्चों के टीकारकरण, स्कूल जाने वाली लड़कियों की जानकारी व शौचालयों की स्थिति को जांचने के लिए टीम के अंदर आपसी जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया।

काम की जिम्मेदारियों का बंटवारा करते हुए सम्बंधित सहायक सामग्री जैसे चार्ट, मार्कर, पेन्सिल, इरेजर आदि को दोनों टीमों में वितरण किया गया तथा अगले दिन फील्ड विजिट हेतु प्रातः 9 बजे एकत्र होने के लिए कहा गया।

## तीसरा दिन

### सत्र : 1 फील्ड कार्यए फील्ड काय का रिव्यू एवं प्रस्तुतीकरण –

तीसरे दिन सत्र की शुरूआत फील्ड कार्य के पुनरावलोकन व फीडबैक के साथ किया गया। इसके बाद दोनो टीमों द्वारा दो अलग–अलग गांवों में विजिट के बाद निकली सूचना व गांव में लोगों द्वारा बनाये गये मानचित्र को पुनः दूसरे चार्ट में बनाने व इसके बाद किये गये कार्यो की शेयरिंग के साथ की गई। दोनों समूहों की शेयरिंग से निकलकर आया कि गांव में समूह के सदस्यों व गांव के कुछ अन्य लोगों के साथ चार्ट पर सामाजिक व कुछ संसाधनों का मानचित्रण किया गया है। वर्षा होने के कारण मानचित्रण की प्रक्रिया को जमीन के बजाय सीधे चार्ट में ही करना पड़ा। इसमें गांव के परिवारों, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्कूल, टीकाकरण स्थल, राशन की दुकान, हैण्डपम्प, कुंए, एकल महिलाओं वाले घर आदि को चार्ट में दर्शाया गया।

दोनो गांवों में समूह के सदस्यों द्वारा परिवारों को चिन्हित करते हुए मानचित्र में कोडिंग करके अलग से सूची तैयार की गई। इसके अलावा गांव में एकल महिला, 12–18 वर्ष तक के स्कूल जाने वाले व न जाने वाले कुल बच्चों की सूची, 1 साल से कम उम्र के बच्चों वाले घरों की सूची व टीकारण की स्थिति, पिछले तीन साल में जिन–जिन परिवारों में लड़के और लड़कियों की शादी हुई उन घरों की पहचान करने व उनकी सूची बनाने का प्रयास किया गया।

फील्ड विजिट की शेयरिंग के बाद संदर्भ समूह के सदस्यों द्वारा समूह के दोनों सदस्यों को जरूरी फीड बैक देते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये, ताकि जानकारी प्राप्त करने में लोगों की भागीदारी को भविष्य में सुनिश्चित किया जा सकें।

### सत्र : 2 रिपोर्ट लेखन व फील्ड अभ्यास का नियोजन –

दोनों समूह के एनीमेटर्स ने अपने–अपने समूह में बैठक पिछले दिन निकाली गई जानकारी को एक जगह पर संकलित किया। इसके बाद निकाली गई जानकारी तथा आज फील्ड विजिट के दौरान ली जाने वाली सूचनाओं/जानकारी तथा उसके तरीकों पर समझ बनाने का प्रयास किया गया। इसके लिए संदर्भ व्यक्ति द्वारा विभिन्न टेबिलस् व उसकी प्रक्रियाओं को लेकर एनीमेटर्स के साथ प्रत्येक मुद्दो पर गहन चर्चा करते हुए समझ बनाने का प्रयास किया गया।

### सत्र : 2 चयनित मुद्दों पर जानकारी एकत्रीकरण हेतु स्पष्टीकरण व विभिन्न तरीकों पर समझ बनाना :

**1. पोषण सम्बंधी जानकारी –**

| गुणवत्ता व मात्रा | आंगनबाडी में बच्चों को मिलने वाला पोषाहार | आंगनबाडी में गर्भवती/धात्री मॉ को मिलने वाला पोषाहार | स्कूल में मिलने वाला मिड डे मिल | किशोरियों को मिलने वाला पोषाहार | राशन की दुकान |
|---|---|---|---|---|---|
| अच्छा | | | | | |
| ठीक–ठाक है | | | | | |
| खराब | | | | | |

**तरीका –** समूह में चर्चा करते हुए जमीन या चार्ट में तीन बिन्दुओं अच्छा, औसत व खराब पर लोगों को अपने अपने जानकारी के आधार पर वोटिंग करने के लिए कहें। इसके लिए उपस्थित सभी लोगों को पांच–पांच छोटी लकडियां या दाने दें। समूह के लोगों को यह छूट रहेगी कि वे किस खाने में कितने दाने या लकड़िया डालते हैं। इसके बाद उन्हे गिन कर नोट कर ले। इस प्रकार से यह प्रक्रिया आंगनबाडी में बच्चों व गर्भवती/धात्री महिलाओं को मिलने वाले पोषाहार, स्कूल में बच्चों को मिलने वाले पोषाहार, आंगनबाडी से कि ोरियों को मिलने वाले पोषाहार व रा ान की दुकान से मिलने वाले खाद्यान के संदर्भ में करें। प्रत्येक बारे अलग–अलग संख्या को नोट पैड में नोट करने के बाद समूह के बाद उनके ऐसा बताने के आधारों को पूछे व उनके साथ निकले अनुभवों पर चर्चा करें।

**3. शौचालय सम्बंधी जानकारी –**

कुल शौचालय : परिवारों में व संस्थाओं में (पंचायत भवन, आंगनबाड़ी, स्कूल, आदि)

| शौचालय – परिवार | कमरा है, पानी है, दरवाजा है, साफ–सुथरा है – 2 अंक | केवल कमरे की व्यवस्था है– 1 अंक |
|---|---|---|
| T1 | | |
| T2 | | |
| T3 | | |
| T3 | | |
| T4 | | |
| कुल अंक | | |
| **शौचालय – संस्था** | **कमरा है, पानी है, दरवाजा है, साफ–सुथरा है – 2 अंक** | **केवल कमरे की व्यवस्था है– 1 अंक** |
| पंचायत भवन | | |
| आंगनबाडी केन्द्र | | |
| स्कूल 1 | | |
| स्कूल 2 | | |
| कुल अंक | | |

| क्र0 | शौचालयों की स्थिति | कुल अंक रेट | शौचालयों की संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | कमरा है, पानी है, दरवाजा है, साफ–सुथरा है | 1 | |
| 2 | केवल कमरे की व्यवस्था है | 1 | |

**3.शिक्षा :** स्कूल जाने वाले और न जाने वाले लड़का और लडकी सम्बंधी जानकारी –

| | लड़के | | लड़कियां | |
|---|---|---|---|---|
| | कुल स्कूल जाने वाले | कुल स्कूल न जाने वाले | कुल स्कूल जाने वाली | कुल स्कूल न जाने वाली |
| 12–18 साल | | | | |

**4.शादी – पिछले तीन साल में हुई शादियों के आधार पर**

1. कितने लड़कों की शांदिया हुई है कि सूची तैयार करना
2. कितनी लड़कियों की शादी हुई है कि सूची तैयार करना
3. पता नहीं

| क्र0 | नाम | लड़की की उम्र | लड़के की उम्र |
|---|---|---|---|
| 1 | | | |
| 2 | | | |
| 3 | | | |
| 4 | | | |

| उम्र | वैद्य जोड़ो की संख्या |
|---|---|
| 18 साल से कम लड़की व 21 साल से कम लड़का | |
| 18 साल से ज्यादा लड़की व 21 साल से ज्यादा लड़का | |

**यह देखना कि कितने कानूनी रूप से वैद्य जोड़ो की शादी हुई है।**

**5.मातृत्व स्वास्थ्य सेवा सुविधा** – (जिनके एक साल तक के बच्चे हों– घर जाकर महिला व बच्चों की सूची बनाना)

1. तीन बार जांच हुई या नही
2. प्रसव के लिए पति साथ में था या नही – घर या संस्थागत प्रसव

**तरीका :** सूची बनाना व इन्टरव्यू

**6.मातृत्व स्वास्थ्य देखभाल में पुरूषों की भागीदारी – (जिनके एक साल तक के बच्चे हों – घर जाकर)**

1. जांच के लिए पति साथ में था या नही
2. प्रसव के दौरान पति साथ में था या नही

**तरीका :** सूची बनाना व इन्टरव्यू

**7. बच्चों का टीकाकरण – एक साल तक के बच्चों का**

**तरीका :** बच्चों की सूची तैयार करना– नाम, उम्र, लिंग

1. बी.सी.जी. व पोलियों (जन्म के समय बाये हाथ में)
2. डी.पी.टी. का टीका व पोलिया (1½ माह, 2½ माह, 3½ माह)
3. खसरा का टीका व विटामिन 'ए' – 9 माह में
4. हेपेटाईटिस बी0 – 3 टीकें
5. टीकाकरण में पिता की भागीदारी निकालना

**8. बच्चों के जन्म में अन्तर :**

1. पिछले तीन साल के अन्दर के अन्दर कुल पैदा हुए बच्चों की सूची बनाना।
2. शादी के बाद पहला बच्चा/बच्ची कितने माह बाद पैदा हुआ?
3. पहले बच्चें के बाद दूसरा बच्चा कितने माह बाद पैदा हुआ?

| बच्चा/बच्ची | शादी के बाद पहला बच्चा (माह में) | सबसे छोट बच्चें का पहले वाले बच्चे से अन्तर/स्पेश (माह में) |
|---|---|---|
| सी0 –1 | | |
| सी0 –2 | | |

| | | |
|---|---|---|
| सी0 –3 | | |
| सी0 –4 | | |

**9. एकल महिला :** (विधवा, तलाक शुदा, जिसे छोड़ा गया हो, जो बिना शादी के रहती हो, जो अलग रहती हो) **तरीका** – गांव में कुल कुल महिलाओं की संख्या की सूची बनाना। इसके बाद निम्न तीन बिन्दुओं पर चर्चा करके लोगों की राय लेना –

1. पहचान – राशन कार्ड, पहचान पत्र, निमत्रंण कार्ड मिलता है या नही
2. आर्थिक स्वावलम्बंन – पेंशन, जमीन में मालिकाना हक
3. सामाजिक सोच/मूल्य – सामाजिक मान्यता, परम्परा, रीति–रिवाज

## चौथा दिन

### सत्र : 1 फील्ड विजिट की रिपोर्ट लेखन व फील्ड अभ्यास का नियोजन करना

प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन फील्ड कार्य के दौरान निकलकर आने वाली जानकारियों को अपने–अपने समूहों में पुनः संकलित किया गया। इसके बाद दोनों समूह के साथियों ने अपने–अपने गांव से निकली जानकारी को सभी के साथ शेयर किया तथा गांव के स्तर पर निकले वाले मुद्दो व जानकारियों पर सामूहिक समझ बनाने का प्रयास किया गया। गांव के स्तर पर एकत्र की गई जानकारी व लोगों के साथ किये गये विश्लेषणात्मक चर्चा के बाद प्रतिभागियों ने अपने–अपने समूह में बैठकर पिछले तीन दिनों में गांव के स्तर पर एकत्र की गई जानकारी के आधार पर रिपोर्ट कार्ड तैयार किया गया।

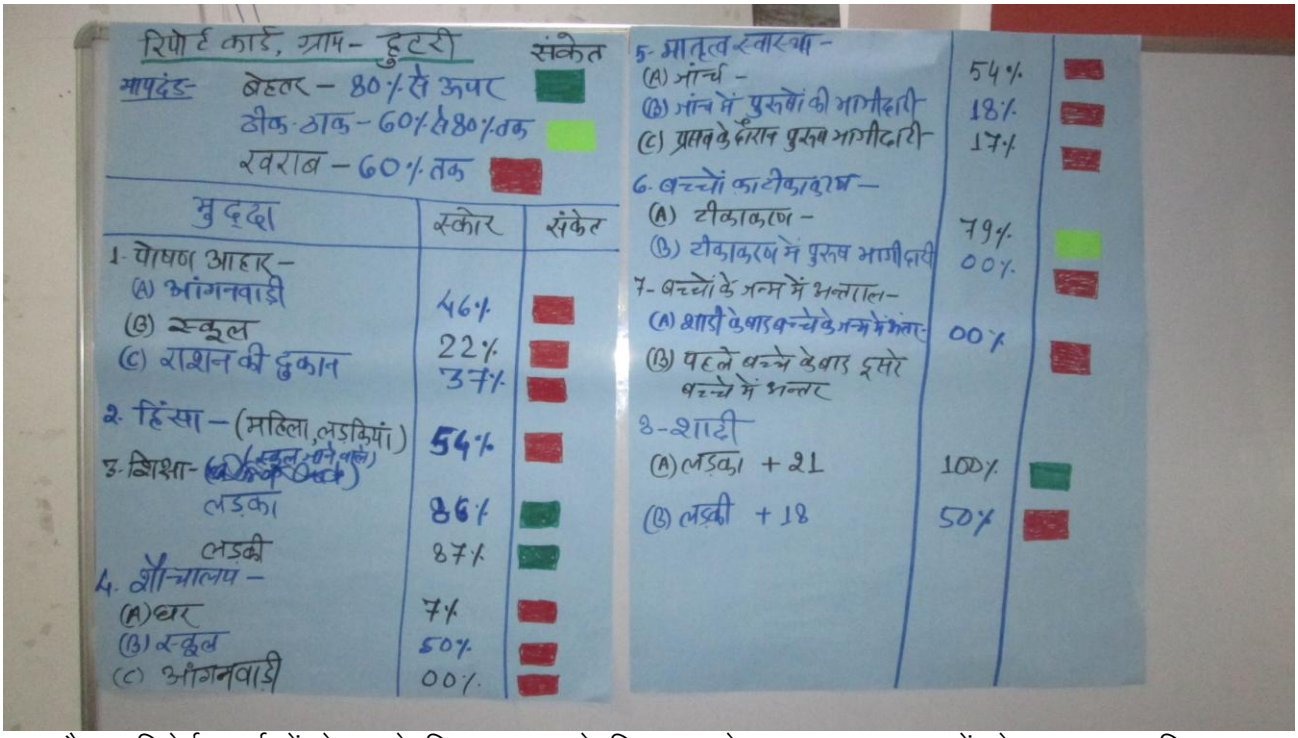


इस दौरान रिपोर्ट कार्ड में डेटा को किस प्रकार से लिखा जायेगा तथा तय मानकों के आधार पर किस प्रकार उनका कलर किया जायेगा इस पर सभी मुद्दो पर चर्चा किया गया। अंत में रिपोर्ट कार्ड तैयार हो जाने के बाद दोनों समूहों द्वारा उसकी प्रस्तुतीकरण की गई।

### सत्र : 2 व्यक्तिगत नियोजन व प्रशिक्षण का रिव्यू –

**प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन** – अंतिम सत्र में प्रतिभागियों के साथ निम्न तीन बिन्दुओं कौन सा विषय अच्छा लगा और समझ में आई, कौन सा विषय अच्छा लगा लेकिन समझ में नही आई, कौन सा विषय समझ में नही आया के आधार पर मूल्यांकन किया गया। इसके बाद एनीमेटर द्वारा फैसलिटेटर्स के साथ बैठकर अपने–अपने जिलों में गांव स्तर पर किये जाने वाले मैपिंग का नियोजन तैयार किया गया तथा उसकी शेयरिंग सभी के

साथ की गई। प्रतिभागियों के नियोजन के आधार पर दिसम्बर माह तक सभी 30 गांवों में पी0आर0ए0 की प्रकिया पूरी करते हुए गांव स्तर पर रिपोर्ट कार्ड की शेयरिंग कर ली जायेगी।

दूसरे सत्र में प्रतिभागियों द्वारा तैयार किये गये रिपोर्ट कार्ड और विश्लेषणात्मक चर्चा से निकले बिन्दुओं के आधार पर निम्न प्रकार से एक्शन प्लान तैयार किया गया –

| मुद्दा/समस्या | परिवार के स्तर पर | समुदाय के स्तर पर |
|---|---|---|
| **कम उम्र में शादी** | परिवार के लोगों की काउन्सलिंग<br>शादी रोकने के लिए दबाव बनाना | • गांव के लोगों को समझायेगें<br>• कम उम्र में शादी पर ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित करवाना<br>• ग्राम सभा में बात उठाना व चर्चा |
| **शौचालय** | मनाव व दबाव बनाना | • मुखिया से बात करना<br>• पंचायत के स्तर पर बात करना<br>• ग्राम सभा में बात उठाना<br>• लोगों को प्रेरित करना |
| **पोषण** | सही जानकारी एकत्र करना | • क्या आ रहा है सभी को बताना<br>• खराब गुणवत्ता पर सम्बंधित लोगों व पंचायत से बात करना<br>• आंगनबाड़ी/स्कूल में गुणवत्ता की जांच करना |
| **मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य** | पत्नी की जांच व प्रसव में भागीदारी करना<br>बच्चों के टीकाकरण में जाना | • दूसरे पुरूषों को बताना<br>• टीकाकरण, जांच व प्रसव के दौरान जाने के लिए दूसरे पुरूषों को प्रोत्साहित करना<br>• एनम व सहिया से बात करना<br>• बच्चों के टीकाकरण में जाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना |
| **शिक्षा** | लड़कियों को स्कूल के प्रोत्साहित करना व मदद करना | • गांव में पता करना कि कौन सी लड़किया स्कूल नही जाती तथा उनके अविभावकों से बातचीत करना<br>• मुखिया से बात करना व उनकी मदद लेना |

इसके बाद अंत में सभी प्रतिभागियों को चार दिवसीय प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद देते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

**(Training Schedule)**

**Social Mapping through Participatory Rural Appraisal (PRA)**

Duration: Four Days (10-13 September 2017)

**Objectives of the training:**

1. Increase the understanding on community health and its determinants
2. Increasing skill on using PRA for assessing community health situation in villages
3. Increase understanding on community roles in monitoring social accountability

**Methodology of the Training:** Proposed training is scheduled to be carried out on the principles of participatory methodologies and residential in nature. Theoretical and exercise (In house and in field) both type of sessions will be conducted during the training

## Draft Training Schedule

| Time | Description | Method | Responsibility |
|---|---|---|---|
| **Day 1** | | | |
| 10.00 to 11.00 AM | Welcome, Registration and ice breaking | | |
| 11.00 to 12.00 PM | Finalize learning expectations, Knowing anxiety, and setting up ground rules | Discussion in big group | |
| 12.00 to 1.30 PM | Health Determinants – Food and Nutrition, Water and Sanitation; Poverty, Gender and Caste, health care. | Small group discussion and presentation in group | |
| **1.30 to 2.30** | **Lunch Break** | | |
| 2.30 to 5.00PM | Public Policy and Programmes – PHC, Sub-Centre, Sahiya, ANM | Quiz and explanation | |
| 5.00 to 6.30PM | Community organisations and leadership – what is their interest in health issues of the community and family. | Role play | |
| **Day 2** | | | |
| 9.30 to 10.30AM | Review of Day 1 | Big group | |
| 10.30 to 1.0 PM | Explain the issue of social and health problem<br>Explain the exercise / tools on enquiry | Presentation | |
| 2.00 to 5.30PM | Class practice on PRA tools- social mapping and Planning for field visit<br>*Finalise info points and discuss on methodology of collecting data and method of presentation | Demonstration and Practice | |
| **Day 3** | | | |
| 10.30 to 5.00 PM | Field visit | PRA in Field Village Childari & Hutri | |
| 6.00 to 7.00PM | Sharing of field visit and feedback | Group of 13 participants will go in one village | |
| **Day 4** | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9.30-10.30 AM | Report writing on field data | Work in two small group | |
| 10.30 AM to 12.30 | *Report writing<br>* Planning for field exercise<br>on the issues (a) Issues around Maternal Health & Child health –services and entitlement,(b) Gender based discrimination (c) Women's participation. Different points of Enquiry, Methodology and tools of Enquiry and way of presentation will be discussed and Practiced in the class room | | |
| 1.30- 5.30PM | Presentation and Individual village plan, Review of the training | | |

**PARTICIPANT LIST**